अलीगढ़ को हरगिढ़ करने का प्रस्ताव नगर निगम बोर्ड बैठक में पास

चर्चा में क्यों?

7 नवंबर, 2023 को अलीगढ़ के मेयर प्रशांत सघिल ने बताया कि अलीगढ़ नगर निगम की पहली बोर्ड बैठक में अलीगढ़ को हरगिढ़ करने का प्रस्ताव रखा गया, जो पास हो गया है। इस प्रस्ताव को अब मंज़ूरी के लिये शासन को भेजा जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- अलीगढ़ नगर निगम की पहली बोर्ड बैठक में भाजपा पार्षद संजय पंडित ने अलीगढ़ को हरगिढ़ करने का प्रस्ताव रखा था, जिसका सभी पार्षदों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया।
- विदित हो कि विगत 21 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित हिन्दू गौरव दिवस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ने भी अलीगढ़ को हरगिढ़ करने की बात कही थी। पूर्व में ज़िला पंचायत बोर्ड भी अलीगढ़ को हरगिढ़ करने का प्रस्ताव पारित कर चुका है।
- गौरतलब है कि प्रदेश में कई रेलवे स्टेशन के भी नाम बदले जा चुके हैं। योगी सरकार में ही मुगलसराय रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और झांसी रेल रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन किया गया था।
- देश में दशकों से शहरों के नाम बदले जाते रहे हैं। हालांकि, नाम बदलने की प्रक्रिया इतनी आसान नहीं होती। किसी शहर का नाम बदलने के लिये पहले नगर पालिका/नगर निगम से प्रस्ताव पास होता है। फिर इसे राज्य कैबिनेट के पास भेजा जाता है। राज्य कैबिनेट में पास होने के बाद नए नाम का गजट जारी होता है। इसके बाद नए नाम की शुरुआत होती है।
- उल्लेखनीय है कि अलीगढ़ उत्तर प्रदेश का एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र और देश का एक प्रमुख शैक्षिक केंद्र है। यहाँ 100 से अधिक स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान हैं, जिनमें अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और अलीगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी शामिल है।
- अलीगढ़ अपने ताला उद्योग के लिये पूरी दुनिया में मशहूर है। अलीगढ़ के ताले दुनिया भर में निर्यात किये जाते हैं। इसके अलावा अलीगढ़ अपने पीतल के हार्डवेयर और मूर्तकिला के लिये प्रसिद्ध है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/proposal-to-convert-aligarh-to-harigarh-passed-in-municipal-corporation-board-meeting